

सारी ही हुकूमत  
में लिखा कि मरु  
मरु गिरा

हुकूमतियां लिखी जाती हैं

२३२५

पत्रावली पेशा हुई। प्राणी व कमील  
प्राणी उपस्थित नहीं। इनके अनुपस्थित रहने  
के कारण प्राणी-पत्र से संबंधित कल  
वाक्य अदम पर्वी अदम हाथी में खारिज  
हो चुका। जैसा यह प्राणी-पत्र भी इस  
चलने योग्य नहीं है।

अतः यह प्राणी-पत्र जो  
इसी स्वर पर खारिज किया जाता है।  
पत्रावली निम्न में कुमार की पावे तथा  
तरहीष वृकमिला की पावर दाखिल  
कराए जायें।

५